आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
गुरुवार 28.08.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री जन धन योजना के आज 11 वर्ष पूरे।
- प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में 117 अस्थाई योग प्रशिक्षितों को शीघ्र तैनाती दी जाएगी।
- उत्तरकाशी जिले के आपदा प्रभावित धराली–हर्षिल में मार्ग बहाली और आवाजाही को सुचारू करने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी।
- **और,** चम्पावत जिले के लोहाघाट में 50 दिवसीय डिजाइन विकास प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन।

प्रधानमंत्री जन धन योजना

प्रधानमंत्री जन धन योजना को आज 11 वर्ष हो गए हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहलों में से एक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2014 को लाल किले की प्राचीर से इस पहल की घोषणा की थी। 28 अगस्त को कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री ने इस अवसर को गरीबों की दुष्चक्र से मुक्ति का उत्सव बताया था। एक रिपोर्ट–

योग प्रशिक्षित

प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में 117 अस्थाई योग प्रशिक्षितों को शीघ्र तैनाती दी जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने इन पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर अभ्यर्थियों के साक्षात्कार के लिए समय सारणी जारी कर दी है। इसके तहत आज से 30 अगस्त तक दून विश्वविद्यालय परिसर में अभ्यर्थियों के साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। इसके बाद श्रेष्ठता सूची के अनुरूप अभ्यर्थियों को विभिन्न महाविद्यालयों में आउटसोर्स के माध्यम से नियुक्ति दी जाएगी। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि रोजगार प्रयाग पोर्टल पर इन पदों के लिये 640 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिसमें से 460 लोगों ने ही अपने शैक्षणिक और कार्यानुभव प्रमाण पत्र पोर्टल पर अपलोड किए थे। प्रत्येक साक्षात्कार दिवस पर चार पालियों में 50–50 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जायेगा, जबकि 30 अगस्त को उन अभ्यर्थियों को भी साक्षात्कार में शामिल किया जाएगा, जो किसी कारणवश साक्षात्कार देने से रह गए थे। विभागीय मंत्री ने अधिकारियों को पूरी पारदर्शिता के साथ साक्षात्कार आयोजित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि योग्य युवाओं को मौका मिल सके।

एनडीएमए

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण– एनडीएमए ने उत्तरकाशी जिले के धराली में किए जा रहे राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की। साथ ही इस मानसून सीजन में थराली, स्यानाचट्टी, पौड़ी और प्रदेश के अन्य स्थानों पर हुए नुकसान की जानकारी ली। एनडीएमए के स्तर से राज्य को हरसंभव मदद का भरोसा दिया गया है। एनडीएमए के संयुक्त सलाहकार, संचालन, लेफ्टिनेंट कर्नल संजय कुमार शाही ने धराली और थराली आपदा में प्रदेश सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग के कार्यों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने धराली में इस्तेमाल किए गए विभिन्न तकनीकी उपकरणों के प्रयोग के दौरान प्राप्त अनुभवों के आधार पर एक रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने को कहा। प्रदेश के आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, सचिव, विनोद कुमार सुमन ने धराली आपदा के दौरान एनडीएमए के स्तर से प्रदान किए गए सहयोग के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मानसून अवधि में राज्य को हुए नुकसान की एक समग्र रिपोर्ट जल्द ही केंद्र सरकार को भेजी जाएगी।

धराली राहत कार्य

उत्तरकाशी जिले के आपदा प्रभावित धराली–हर्षिल में जिला प्रशासन द्वारा
मार्ग बहाली और आवाजाही को सुचारू करने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। लिमच्यागाड़, डबरानी और सोनगाड़ जैसे चुनौतीपूर्ण स्थानों पर क्षतिग्रस्त मार्गों को बहाल करके उत्तरकाशी से हर्षिल तक सड़क संपर्क बहाल किया जा चुका है। साथ ही विकट परिस्थितियां होने पर भी प्रशासन द्वारा हर्षिल, धराली और आसपास के क्षेत्रों में बिजली, पानी और संचार संपर्क भी बहाल कर दिया गया है। इसके अलावा आपदाग्रस्त क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में रोजमर्रा की सभी जरूरी वस्तुएं और खाद्यान्न सामग्री भी लगातार वितरित की जा रही हैं। चारधाम यात्रा के दृष्टिगत गंगोत्री और यमुनोत्री धामों की यात्रा को बहाल करने के लिए भी प्रशासन प्रयासरत है। इसके लिए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने सभी संबंधित एजेंसियों को जरूरी निर्देश दिये हैं। वहीं, गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग का कुछ हिस्सा हर्षिल के निकट जलमग्न और क्षतिग्रस्त होने से यात्रा बाधित है, जिसे आवाजाही के लिए जल्द से जल्द बहाल करने के लिए बीआरओ द्वारा युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है।

उत्तराखंड जैविक उत्पाद परिषद

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून में आयोजित उत्तराखंड जैविक उत्पाद परिषद की 26वीं परिषदीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में जैविक और प्राकृतिक खेती के विकास, किसान भाइयों के कल्याण तथा परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों के विस्तार से सम्बन्धित विभिन्न

प्रस्तावों को स्वीकृति दी। बैठक में उत्तराखण्ड जैविक उत्पाद परिषद का नाम बदलकर उत्तराखण्ड जैविक एवं प्राकृतिक उत्पाद परिषद किए जाने तथा किसानों को उनके जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों की उचित मूल्य पर बिक्री सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर मंडियों की स्थापना करने पर सहमति बनी। उन्होंने कहा कि बैठक में लिए गए निर्णय निश्चित ही प्रदेश के किसानों को जैविक और प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार, प्रदेश में जैविक और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित कर प्रदेश के किसानों की आय दोगुनी करने के लिए संकल्पबद्ध है।

डिजाइन विकास प्रशिक्षण

केंद्रीय हस्तशिल्प एवं वस्त्र मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में चम्पावत जिले के लोहाघाट में 50 दिवसीय डिजाइन विकास प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। लौह शिल्प पर आधारित इस कार्यशाला में जिले के 30 से अधिक महिला और पुरुष शिल्पियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर दर्जा मंत्री श्याम नारायण पाण्डेय ने कहा कि यह प्रशिक्षण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल की परिकल्पना को परिलक्षित करता है। हस्तशिल्प मंत्रालय के इम्प्लांट डिजाइनर, सौरव मिश्रा ने बताया कि प्रशिक्षण में बाजार की मांग के अनुरूप लोहे से बनी वस्तुओं की डिजाइनिंग को लेकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान इन प्रशिक्षणार्थियों को 300 रुपये प्रतिदिन का सुविधा शुल्क दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण दे रहे अमित कुमार ने बताया कि शिल्पियों को लोहे से बने आधुनिक साजो सामान जैसे फ्लावर पॉट, पेन स्टैंड आदि की जानकारी दी जा रही है, ताकि वे भविष्य में स्वरोजगार से जुड़ सके।
प्रशिक्षण ले रही महिलाओं ने कहा कि यह प्रशिक्षण, उनके लिए लाभदायक होगा।